Akshardhara Research Journal
Single Blind Peer-Reviewed & Refereed International Research Journal
E ISSN -3048-8095 / Bimonthly / SJIF Impact- 5.16/ March - April 2026 / VOL-02 ISSUE-V

11

कृष्ण बलदेव वैद की कहानियों का हिंदी भाषा साहित्य में महत्वपुर्ण भूमिका

डॉ.बिकेश सिंह
शोधनिर्देशक
(पंजीकरण संख्या.JJT/2K9/SSH/1947)

कमलेश दिलीप काळे
शोधछात्र
(पंजीकरण संख्या.23723047)

श्री.जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला, श्री.जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला, झुन्झुनू, राजस्थान.

भूमिका– कृष्ण बलदेव वैद की कहानियों ने हिंदी साहित्य में अपनी मौलिकता, प्रयोगधर्मीता और भाषा–शैली मनोविज्ञानिक गहराई, आधुनिकता आदी के माध्यम से महत्वपुर्ण भूमिका निभाई है। जिसके माध्यम से हिंदी भाषा साहित्य को संपन्नता और व्यापकता लाने का काम उन्होंने किया है। उनकी कहानियाँ पढने में सहज और सुलभ है। कृष्ण बलदेव वैद ने परंपरा से हटकर हिंदी भाषा का साहित्य लेखन किया है। आधुनिक समाज की विसंगतीया, मानवी संघर्ष, मानवी रिश्तों की जटिलता, नारी समस्या, विभाजन और विस्थापन आदी सामाजिक समस्याओं का यथार्थ चित्रण अपने कहानियों के माध्यम से किया है। वे अपनी बौध्दिकता और विश्व साहित्य की गहरी समझ के लिए जाने जाते है। विश्व हिंदी भाषा साहित्य और अन्य भाषा साहित्य पर भी प्रभाव डालने का काम किया है। उन्होंने अपनी कहानियों में हमेशा नविनता और खास भाषाशैली का चित्रण किया है। उनकी कहानी साहित्य में समाज का वास्तविक चित्रण करने का काम किया है। आधुनिक काल में हिंदी भाषा साहित्य में कहानियाँ एक उँचीपर लाने का काम भी कृष्ण बलदेव वैद ने किया है। इसलिए आधुनिक काल में हिंदी कहानी साहित्य को अलग और अव्दितीय स्थान प्राप्त हुआ है। कृष्ण बलदेव वैद ने अंपरंपरागत कथाशैली को प्रभावी रूप में उजागर करने का काम किया है। आज समाज में जो सामाजिक समस्या की व्यापकता है। उन्हें अपनी कहानी साहित्य के माध्यम से विश्वमंच पर लाने का काम हिंदी भाषा साहित्य के माध्यम से प्रभावी रूप में प्रस्तुत किया हैं।

कृष्ण बलदेव वैद की कहानियों की हिंदी भाषा साहित्य में उपयोगिता –

कृष्ण बलदेव वैद की कहानियों का हिंदी भाषा साहित्य में अहम योगदान रहा है। उनकी कहानियों की हिंदी भाषा साहित्य में जो उपयोगिता है, वह निम्न प्रकार हैं।

1) **हिंदी भाषाशैली में नविनता –**

कृष्ण बलदेव वैद की कहानियों में भाषाशैली में नविनता और अलग अंदाज लाने का काम किया है। जिसके माध्यम से कहानियाँ हिंदी भाषा साहित्य में एक नए अंदाज में तथा सामाजिक गहराई के साथ प्रस्तुत करने का प्रभावी काम उन्होंने किया हैं।

2) **आधुनिकता का चित्रण –**

कृष्ण बलदेव वैद ने हिंदी भाषा साहित्य में कहानियों के माध्यम से आधुनिक मानवी समाज और मानवी परिस्थिती का वास्तविक चित्रण किया है। उनकी कहानियाँ एक विस्थापित लेखक के अनुभवों को प्रस्तुत करती हैं।

3) **सामाजिक परिस्थिती का वास्तविक चित्रण –**

कृष्ण बलदेव वैद ने अपनी कहानियों में समकालीन, सामाजिक परिस्थिती का यथार्थ चित्रण किया है। साथ ही आधुनिक काल की समाज व्यवस्था का भी वास्तविक चित्रण उन्होंने अपनी कहानियों में किया है। जिनके भाषा हिंदी भाषा साहित्य में कहानियों के माध्यम से उन्होंने समाज और सामाजिक सच्चाई का चित्रण करने का काम किया हैं।

4) **मनोवैज्ञानिक गहराई का चित्रण –** कृष्ण बलदेव वैद ने अपनी कहानियों के माध्यम से व्यक्ति का आंतरिक संघर्ष, आत्ममंथन, व्यक्ति के भीतर का डर, असुरक्षा, अकेलापन, आत्म–विनाश आदी मनोवैज्ञानिक समस्याओं का अत्यंत गहराई के साथ चित्रण किया है। जिसके कारण हिंदी भाषा साहित्य में कहानियों को एक नई दिशा देने का काम किया गया हैं।

5) सांस्कृतिक विविधता और सांस्कृतिक समृध्दी का चित्रण – कृष्ण बलदेव वैद अपनी कहानियों के माध्यम से हिंदी भाषा साहित्य और समाज को समृध्द करने का काम करते है। समाज में व्याप्त सांस्कृतिक विविधता का चित्रण विभिन्न पात्रों और प्रसंगो के माध्यम से कहानियों का चित्रण किया गया है। जिसके माध्यम से हिंदी भाषा साहित्य को संपन्नता लाने का काम उन्होंने किया हैं।

6) **विभागत विविधता का चित्रण –** कृष्ण बलदेव वैद ने विभिन्न प्रांतो में प्रवास किया था। तथा अपना जीवन अनुभव अलग–अलग क्षेत्र में जीया था। जिनमें उन्होंने अपने आँखो से विभिन्न विभागत सामाजिक स्थिती का निरीक्षण और अनुभव किया था। जिसके काव्य उन्होंने अपनी कहानियों में समकालीक परिस्थिती का वास्तविक चित्रण किया है। हिंदी भाषा साहित्य को भी उन्होंने विश्वमंच पर प्रस्तुत करने का काम किया हैं।

Akshardhara Research Journal
Single Blind Peer-Reviewed & Refereed International Research Journal
E ISSN -3048-8095 / Bimonthly / SJIF Impact- 5.16/ March - April 2026 / VOL-02 ISSUE-V

7) **हिंदी भाषा को विश्व साहित्य मंच पर जोडा –**
कृष्ण बलदेव वैद ने अपना हिंदी भाषा साहित्य विभिन्न भारत देश के साथ–साथ विभिन्न देशो में भी प्रस्तुत किया है। जिनके कारण हिंदी भाषा साहित्य और हिंदी भाषा की कहानियाँ विश्वमंच पर और विश्व के विभिन्न भाषाओं से जोडने का काम किया हैं।

8) **विभिन्न भाषिक विधाओं में लेखन –**कृष्ण बलदेव वैद ने हिंदी भाषा में कहानी साहित्य लेखन में विभिन्न प्रयोग किए है। जिस प्रकार उन्होंने कहानियों को एक उँचाईयों पर लाने का प्रयोग किया उसी प्रकार उन्होंने नाटक, उपन्यास, अनुवाद आदी अनेक भाषिक विधाओं में भी लेखन किया है। जिसके माध्यम से हिंदी भाषा साहित्य को संपन्न बनाने का काम भी उन्होंने किया हैं।

9) **विभाजन की त्रासदी का चित्रण –** कृष्ण बलदेव वैद ने अपनी कहानियों में देश विभाजन और विस्थापन की त्रासदी का चित्रण भी यथार्थ रूप में किया हैं।

10) **नारी को स्वतंत्र जीवन जीने का अधिकार –** कृष्ण बलदेव वैद ने अपनी कहानियों के माध्यम से नारी को स्वतंत्र विचार रखनेवाली और संघर्षशीलता के रूप में प्रस्तुत किया है। जिसके कारण हिंदी भाषा साहित्य को नारी जाती की विभिन्न सामाजिक समस्याओं का अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया गया हैं।

कृष्ण बलदेव वैद की कहानियों का हिंदी भाषा साहित्य में भाषिक तथा सामाजिक संदेशो का चित्रण –
कृष्ण बलदेव वैद के कहानियों के माध्यम से हिंदी भाषा साहित्य में भाषिक तथा सामाजिक संदेश देने का महत्वपुर्ण काम किया है। वह निम्न प्रकार हैं।

1) कृष्ण बलदेव वैद ने अपनी कहानियों के माध्यम से विभिन्न भाषाशैलीयों का विकास किया हैं।
2) कृष्ण बलदेव वैद ने अपनी कहानियों के माध्यम से समाज में व्याप्त प्रथा, परंपरा और रूढीयों का चित्रण किया हैं।
3) कृष्ण बलदेव वैद ने अपनी कहानियों का लेखन करते समय हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी और पंजाबी भाषाओं का चित्रण किया हैं।
4) कृष्ण बलदेव वैद ने अपनी कहानियों में खुलकर लेखन करना पसंद किया हैं।
5) कृष्ण बलदेव वैद अपनी कहानियों में व्यक्ति का संघर्ष तथा काल्पनिक और वास्तविक शत्रु का भी वास्तविक चित्रण किया हैं।
6) कृष्ण बलदेव वैद की कहानियाँ भारत देश की संस्कृती और सामाजिक समस्याओं का यथार्थ चित्रण करती हैं।
7) कृष्ण बलदेव वैद की कहानियों में व्यक्ति का अलगाँव समाज से विमुख होने से होनेवाली सामाजिक और मनोवैज्ञानिक समस्याओं का चित्रण किया गया हैं।
8) कृष्ण बलदेव वैद की कहानियों में मानवीय भावनाओं की नाजुकता का यथार्थ चित्रण किया गया हैं।
9) कृष्ण बलदेव वैद ने अपनी कहानियों में विभिन्न भाषाशैलीयों का वास्तविक चित्रण किया हैं।
10) कृष्ण बलदेव वैद ने अपनी कहानियों में समाज की सामाजिक समस्याओं का यथार्थ चित्रण नारी समस्याओं का चित्रण वस्तुनिष्ठ रूप में किया हैं।

संदर्भ –

1. रावत, जी. (2006). औरत एक समाजशास्त्रीय अध्ययन, विश्वभारती पब्लिकेशन, अन्सारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली।
2. रहमान, सफी, (2008). राष्ट्रीय ज्ञान आयोग, इंडिया टुडे 25 जून 2008, नई दिल्ली।
3. आप्टे, वी. (2007). संस्कृत हिंदी कोश, रचना प्रकाशन, जयपुर, संस्करण आक्यफोर्ड एडवास्ड डिक्शनरी ऑफ करंट इग्लिश।